2021

HINDI — HONOURS

Paper : CC-4

[Aadhunik Hindi Kavita (Chhayavad tak)]

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) 'मुकरी' का अर्थ क्या है? भारतेंदु की 'नए ज़माने की मुकरियाँ' किस भाषा में रचित हैं?

(ख) 'फूल और काँटा' शीर्षक कविता में 'फूल' और 'काँटे' किसके प्रतीक हैं?

(ग) 'मैं **त्रिविध-दुःख** विनिवृत्ति हेतु, बाँधू अपना **पुरुषार्थ-सेतु**'— यहाँ '**त्रिविध-दुःख**' और '**पुरुषार्थ-सेतु**' का क्या अर्थ है?

(घ) 'प्रह्लाद जानता था तेरा सही ठिकाना, तू ही मचल रहा था मंसूर की रटन में'— यह किस कविता की पंक्ति है और इसके रचनाकार का नाम क्या है?

(ङ) 'पेशोला की प्रतिध्वनि' प्रसाद के किस काव्य-संकलन में संकलित है और इस कविता में किसकी अनुगूँज सुनाई देती है?

(च) 'परिमल' किसकी रचना है और इसका प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(छ) सुमित्रानंदन पंत के अरविन्द-दर्शन से प्रभावित दो काव्य-संकलनों के नाम बताइये।

(ज) 'दीपशिखा' किस विधा में रचित है और यह किसकी रचना है?

(झ) 'ताज' किसका प्रतीक है और इस कविता का रचना-काल क्या है?

(ञ) भारतेंदु द्वारा संपादित किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम बताइए।

2. किन्हीं *तीन* आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) नए ज़माने की मुकरियाँ के आधार पर अंग्रेजी सत्ता के प्रति भारतेंदु के व्यंग्य-प्रहार पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'महाभिनिष्क्रमण' में निहित मैथिलीशरण गुप्त की दार्शनिक भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के काव्य-सौष्ठव की समीक्षा कीजिए।

(घ) रामनरेश त्रिपाठी की राष्ट्रीय-चेतना पर प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं *तीन* प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3

(क) प्रसाद की प्रेम-भावना पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) पंत के प्रकृति-प्रेम का परिचय दीजिए।

(ग) महादेवी के रहस्यवाद पर चर्चा कीजिए।

(घ) निराला की प्रगतिशील चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'अन्वेषण' कविता के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।